

श्री लगीष्टकम
ब्रह्ममुरारिसुरार्चति लिंगं नरिमलभाषतिशोभति लिंगि ।
जन्मजदुःखवनिशक लिंगि तत्प्रणमामसिदाशवि लिंगि ॥ १

मैं उन सदाशवि लिंगि को प्रणाम करता हूँ जिनकी ब्रह्मा, वशिष्ठ एवं देवताओं द्वारा अर्चना की जाती है, जो सदैव नरिमल भाषाओं द्वारा पुजति हैं तथा जो लिंगि जन्म-मृत्यू के चक्र का वनिश करता है (मोक्ष प्रदान करता है)

देवमुनपिरवरार्चति लिंगि, कामदहं करुणाकर लिंगि।
रावणदरपवनिशान लिंगि तत्प्रणमामसिदाशवि लिंगि ॥ २

देवताओं और मुनियों द्वारा पुजति लिंगि, जो काम का दमन करता है तथा करुणामयं शवि का स्वरूप है, जसिने रावण के अभिमान का भी नाश कया, उन सदाशवि लिंगि को मैं प्रणाम करता हूँ ।

सर्वसुगंधसिलेपति लिंगि, बुद्धविविर्धनकारण लिंगि।
सदिधसुरासुरवन्दति लिंगि, तत्प्रणमामसिदाशवि लिंगि ॥ ३

सभी प्रकार के सुगंधति पदार्थों द्वारा सुलेपति लिंगि, जो कबिबुद्धा का वकिस करने वाल है तथा, सदिध- सुर (देवताओं) एवं असुरों सबों के लिए वन्दति है, उन सदाशवि लिंगि को प्रणाम ।

कनकमहामणभूषति लिंगि, फणपितविष्टतिशोभति लिंगि।
दक्षसुयज्वनिशान लिंगि, तत्प्रणमामसिदाशवि लिंगि ॥ ४

स्वर्ण एवं महामणियों से वभूषति, एवं सर्पों के स्वामी से शोभति सदाशवि लिंगि जो कदिक्ष के यज्व का वनिश करने वाल है ; आपको प्रणाम ।

कुंकुमचन्दनलेपति लिंगि, पंडकजहारसुशोभति लिंगि।
संञ्चतिपावनिशानि लिंगि, तत्प्रणमामसिदाशवि लिंगि ॥ ५

कुंकुम एवं चन्दन से शोभायमान, कमल हार से शोभायमान सदाशवि लिंगि जो कसारे संञ्चति पापों से मुक्ताप्रदान करने वाला है, उन सदाशवि लिंगि को प्रणाम ।

देवगणार्चतिसेवति लिंगि, भवैरभक्तभिरिवच लिंगि।
दनिकरकोटपिरभाकर लिंगि, तत्प्रणमामसिदाशवि लिंगि ॥ ६

आप सदाशवि लिंगि को प्रणाम जो कसिभी देवों एवं गणों द्वारा शुद्ध वचिार एवं भावों द्वारा पुजति है तथा जो करोड़ों सूर्य सामान प्रकाशति हैं ।

अष्टदलोपरविष्टति लिंगि, सर्वसमुद्भवकारण लिंगि।
अष्टदरदिरवनिशति लिंगि, तत्प्रणमामसिदाशवि लिंगि ॥ ७

आठों दलों में मान्य, एवं आठों प्रकार के दरदिरता का नाश करने वाले सदाशवि लिंगि सभी प्रकार के सृजन के परम कारण हैं – आप सदाशवि लिंगि को प्रणाम ।

सुरगुरूसुरवरपूजति लिंगि, सुरवनपुष्पसदारचति लिंगि।
परात्परं परमात्मक लिंगि, तत्प्रणमामसिदाशवि लिंगि ॥

दवताओं एवं देव गुरू द्वारा स्वर्ग के वाटिका के पुष्पों से पुजति परमात्मा स्वरूप जो कसिभी व्याख्याओं से परे है – उन सदाशवि लागि को प्रणाम ।